

417

सं०-1957 / 2015-11-03(31) / 2011

प्रेषक,

आनन्द वर्द्धन
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक, 29 जुलाई, 2015

विषय:- सर्वेक्षण एवं अनुसंधान मद के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2015-16 में जनपद देहरादून ऋषिकेश में गंगा की जलधारा को स्थायी रूप से त्रिवेणी घाट पर लाने हेतु माडल स्टडी, सर्वेक्षण एवं डी0पी0आर0 बनाने आदि कार्यों हेतु वित्तीय स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० 1917/मुअवि/बजट/बी-1 (सामान्य), दिनांक 26 मई, 2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सर्वेक्षण एवं अनुसंधान मद के अन्तर्गत जनपद देहरादून ऋषिकेश में गंगा की जलधारा को स्थायी रूप से त्रिवेणी घाट पर लाने हेतु माडल स्टडी, सर्वेक्षण एवं डी0पी0आर0 बनाने आदि कार्यों की उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अनुसार कार्यवाही हेतु स्वीकृत लागत रू० 60.18 लाख के सापेक्ष शासनादेश संख्या 1579/11-2013-03(31)/2011 दिनांक 29 अगस्त, 2013 द्वारा अवमुक्त धनराशि रू० 12.00 लाख का पूर्ण उपयोग कर लिये जाने के फलस्वरूप वित्तीय वर्ष 2015-16 में अवशेष कार्यों हेतु ₹ 25.84 लाख (₹ पच्चीस लाख चौरासी हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) प्रश्नगत कार्य हेतु Uttarakhand Procurement Rules, 2008 के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाय।
- (ii) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी धनराशि स्वीकृत मानक है। स्वीकृत मानक धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाए।
- (iv) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।
- (v) कार्यों के पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (vi) आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (vii) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
- (viii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि०-31.03.2016 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। अवमुक्त धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (ix) उक्त धनराशि जिस कार्य/योजना के लिए स्वीकृत की गई है, उसी कार्य/योजना पर व्यय की जाय/ अन्य कार्य/योजना में धनराशि का व्यवर्तन/उपयोग कदापि न किया जाय। स्वीकृत लागत के सापेक्ष कार्य के क्रियान्वयन में यदि कम धनराशि व्यय होती है तो शेष धनराशि समर्पित कर दी जायेगी।

(x) वित्त विभाग के शासनादेश सं०-318/XXVII(1)/2014, दि०-18.03.2014 के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय और वांछित सूचनायें निर्धारित प्रपत्रों पर यथासमय शासन को उपलब्ध करा दी जाय। विषयगत आगणन का पुनः किसी भी दशा में पुनरीक्षण नहीं किया जायेगा।

2 इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत सर्वेक्षण एवं अनुसंधान मद के लेखाशीर्षक 4701-मध्यम सिंचाई पर पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-005-सर्वेक्षण एवं अनुसंधान कार्य-03-निर्माण कार्य-00-42 अन्य व्यय के नामे डाला जायेगा।

3 धनराशि आहरण वितरण अधिकारी को कम्प्यूटर आवंटन संख्या S 1507200176 .. दिनांक 22.04.2015 से आवंटित की जा रही है। धनराशि के उपयोग हेतु शासनादेश संख्या 400/XXVII(1)/2015, दिनांक 01.04.2015 के द्वारा निर्गत दिशा निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4 यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-212/XXVII(2)/2015, दिनांक-20 जुलाई, 2015 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,
(आनन्द वर्द्धन)
सचिव।

सं०- 1105 (1)/2015-11-03(31)/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड, वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मा० मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
4. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
9. नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
11. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
12. सम्बन्धित सिंचाई खण्ड द्वारा मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई, उत्तराखण्ड।
13. गार्ड फाईल।

आज्ञा से
(चन्दन सिंह रावत)
अनु सचिव।